



PREFACE

अनुक्रमणिका

विद्याअभ्यास केपूर्व, 'पूर्वस्कूलीकौशल' का ज्ञान नन्हे बच्चोंके भविष्य कीर्नीव रखता है। विद्याअभ्यास केपूर्वे बच्चे हँसत, खेलते - गाते वो कौशल सीख जाते है जो अंततः भविष्य में बच्चोंको लिखने, पढने, भाषा, गणित सीखने मेंही मदद नहीं करता अवितु सामान्य जागरुकता जगानेके साथ एक आदर्श विद्यार्थी बनाने में मदद करता है। नन्हेंशिशुओं में विद्यालय के प्रति रुझान उत्पन्न होता है, वे एक विद्यार्थीकी दिनचर्या व क्रिया कलावोंको भलीभाँति समझ पाते हैं। टीम भावना के महत्त्व को समझकर भविष्य में सही अर्थो मेंविद्यार्जन करते हैं।

पूर्वस्कूलीकक्षाओंको विभिन्न विषयों और रचनात्मक क्रियाओंके आधार पर विभाजित किया जाता है। जहाँ बालक अपनी इच्छा के अनुरुप जब चाहे खेल सकते हैं और मनपसंद विषयों संबंधित क्रियाओं का आनन्द उठा सकते हैं।

'पूर्वस्कूली' केन्द्र यद्यपि ये प्रभाव देते हैंकि वे खेल व मौज-मजे का स्थानहैं, बल्कि हकीकत में यहाँ बच्चेविभिन्न खेलों व रचनात्मक क्रियाओंके आधार पर अनेक चीजें सीख जाते हैं। अनेक प्रयोगो द्वारा ये सिद्धहो चुका हैकिप्रारंभ काल में 'पूर्व-स्कूल' मेंदी गई गणित व अन्य विषयों कीशिक्षा भविष्य में नील का पत्थर सिद्धहुईहै। ये हमारा विश्वास हैकि बच्चोंको जबरदस्ती ज्ञान थोपनेकी जगह उन्हें मनोरंजक तरीके से खेल-खेल में शिखाया जाए। ये बच्चोंके मानसिक विकास में भी हितकर होगा।

इस पुस्तक मेंदिए गए विभिन्न उदाहरण व रंगीन चित्र नन्हें बच्चोंकीरुचि को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। उनकी उम्र का ध्यान रखते हुए भाषा कोकाफी सरल रखा गया है।

हम आशा करतें हैंकि ये पुस्तक 'पूर्वस्कूलीकौशल' को सीखने में अपना भरपूर योगदान देगी।

नन्हें बच्चोंकेलिए ये सीखनेकी प्रक्रिया बेहद रुचिकर व आनंददायी होगी।

विषय	पृष्ठ	पृष्ठ संख्या		
•स्वर लिखो	3	-	2	
बिंदुओं को मिलाकर वर्ण बनाएँ।				
• ক - ख	ર્	-	8	
ग - घ	y	-	દુ	
● ङ - च	G	-	6	
● छ - ज	9	-	१०	
● झ - ञ	33	-	१२	
<i>● ट</i> - <i>ਰ</i>	33	-	38	
● ਭ - ਫ	१५	-	१६	
• ण - त	30	-	36	
• थ - द	१९	-	20	
<i>•</i> ध - न	23	-	22	
•प-फ	२३	-	78	
● ब - भ	२५	-	२६	
<i>● म - य</i>	२७	-	76	
• ₹- ल	28	-	30	
• व - श	33	-	३२	
• ष - स	33	-	38	
● ह - क्ष	રુષ્	-	३६	
● 习 - 页	રૂહ	-	36	

















स्वर लिखो । स्वर लिखो । अ: आ Date : ___ Teacher's Sign. : Date : _ Teacher's Sign. : __

*